

मैं कौन???

1. मैं महान आत्मा हूँ॥
2. मैं श्रेष्ठ आत्मा हूँ॥
3. मैं पुण्य आत्मा हूँ॥
4. मैं देवात्मा हूँ॥
5. मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ॥
6. मैं बाबा के नयनों का नूर हूँ॥
7. मैं पूर्वज हूँ॥
8. मैं शांत स्वरूप आत्मा हूँ॥
9. मैं नूरे रतन हूँ॥
10. मैं प्रेम स्वरूप आत्मा हूँ॥
11. मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा हूँ॥
12. मैं संगमयुगी ब्राह्मण हूँ॥
13. मैं ब्रह्मा मुखवंशवली ब्रह्माकुमार हूँ॥
14. मैं सुख स्वरूप हूँ॥
15. मैं त्रिकालदर्शी हूँ॥
16. मैं बाबा का दिलतख्तनशी हूँ॥
17. मैं बाबा के गले का हार हूँ॥
18. मैं बाबा के सिर का ताज हूँ॥
19. मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूँ॥
20. मैं मास्टर भगवान हूँ॥
21. मैं फरिश्ता हूँ॥
22. मैं धरती पर अवतरित आत्मा हूँ॥

23. मैं मास्टर दुख हर्ता सुख कर्ता हूँ।।
24. मैं विघ्न विनाशक गणेश हूँ।।
25. मैं दुर्गा हूँ।।
26. मैं संतुष्ट मणि हूँ।।
27. मैं आनंद स्वरूप आत्मा हूँ।।
28. मैं पदमा पदम भाग्यशाली आत्मा हूँ।।
29. मैं ज्योति पुंज हूँ।।
30. मैं तपस्वी आत्मा हूँ।।
31. मैं श्रेष्ठ योगी हूँ।।
32. मैं मनुष्य योनि की अधरमूर्त आत्मा हूँ।।
33. मैं स्वराज्य अधिकारी हूँ।।
34. मैं मस्तक के बीच चमकती मणि हूँ।।
35. मैं डबल ताजधारी हूँ।।
36. मैं मायाजीत हूँ।।
37. मैं त्रिनेत्री हूँ।।
38. मैं त्रिलोकीनाथ हूँ।।
39. मैं कोटो में कोई कोई में भी कोई विशेष आत्मा हूँ।।
40. मैं रहे गुलाब हूँ।।
41. मैं हीरो पार्टधारी हूँ।।
42. मैं राजऋषि हूँ।।
43. मैं हनुमान हूँ।।
44. मैं क्रोध मुक्त हूँ।।
45. मैं रहम दिल आत्मा हूँ।।

46. मैं मास्टर शांति दाता हूँ।।
47. मैं सर्व की मनोकामना पूरी करने वाली अनपुरना हूँ।।
48. मैं वसे की अधिकारी आत्मा हूँ।।
49. मैं मास्टर जादूगर हूँ।।
50. मैं कंबाइंड स्वरूप आत्मा हूँ।।
51. मैं शिव शक्ति हूँ।।
52. मैं रूहानी पण्डा हूँ।।
53. मैं गुप्त योद्धा हूँ।।
54. मैं बाबा का राइट हैंड हूँ।।
55. मैं बाप समान आत्मा हूँ।।
56. मैं ब्रह्म लोक वासी हूँ।।
57. मैं मधुबन निवासी हूँ।।
58. मैं स्वदर्शन चक्रधारी हूँ।।
59. मैं सफलता का चमकता सितारा हूँ।।
60. मैं शिव की पार्वती हूँ।।
61. मैं महावीर हूँ।।
62. मैं ट्रस्टी हूँ।।
63. मैं निमित्त मात्र हूँ।।
64. मैं स्नेह के सागर में समाई हुई स्नेही आत्मा हूँ।।
65. मैं खुशनसीब आत्मा हूँ।।
66. मैं सर्व प्राप्ति स्वरूप आत्मा हूँ।।
67. मैं स्मृति स्वरूप आत्मा हूँ।।
68. मैं विश्व कल्याणकारी आत्मा हूँ।।

69. मैं बाप की सहयोगी आत्मा हूँ।।
70. मैं बाप की समीप रतन हूँ।।
71. मैं लकी सितारा हूँ।।
72. मैं फ्राक दिल भाग्य विधाता हूँ।।
73. मैं मेहनत मुक्त आत्मा हूँ।।
74. मैं उड़ता पंछी हूँ।।
75. मैं दिल खुश आत्मा हूँ।।
76. मैं सहज फल की प्राप्ति स्वरूप आत्मा हूँ।।
77. मैं all round सेवाधारी हूँ।।
78. मैं सिद्धि स्वरूप हूँ।।
79. मैं नर से नारायण बनने वाली आत्मा हूँ।।
80. मैं अंधो की लाठी हूँ।।
81. मैं ज्ञानी तू आत्मा हूँ।।
82. मैं बाप की प्रीतात्मा हूँ।।
83. मैं एवररेडी आत्मा हूँ।।
84. मैं मास्टर बीज रूप आत्मा हूँ।।
85. मैं जगदम्बा हूँ।।
86. मैं रमता योगी हूँ।।
87. मैं चलता फिरता म्यूजियम हूँ।।
88. मैं चलता फिरता सेन्टर हूँ।।
89. मैं बेफिक्र बादशाह हूँ।।
90. मैं शिव की संतान हूँ।।
91. मैं नष्टोमोहा स्मृति स्वरूप हूँ।।

92. मैं अष्ट भुजाधारी आत्मा हूँ॥
93. मैं होली हंस हूँ॥
94. मैं लाइट हाउस might हाउस हूँ॥
95. मैं निश्चय बुद्धि आत्मा हूँ॥
96. मैं मर्यादा पुरुषोत्तम आत्मा हूँ॥
97. मैं भगवान की बगिया का फूल हूँ॥
98. मैं godly स्टूडेंट हूँ॥
99. मैं अर्जुन हूँ॥
100. मैं कर्मिन्दर्य जीत आत्मा हूँ॥
101. मैं अथक सेवाधारी हूँ॥
102. मैं मरजीवा हूँ॥
103. मैं मास्टर ब्रह्मा हूँ॥
104. मैं निवारण स्वरूप हूँ॥
105. मैं लॉ मेकर हूँ॥
106. मैं बाबा की अशाओं का दीपक हूँ॥
107. मैं खुदाई खिदमतगार हूँ॥
108. मैं सूर्यवंशी हूँ॥
109. मैं राजयोगी हूँ॥
110. मैं निस्वार्थ सेवाधारी हूँ॥
111. मैं बंधनमुक्त आत्मा हूँ॥
112. मैं बाबा की वफादार आत्मा हूँ॥
113. मैं विजयी रतन हूँ॥
114. मैं इच्छा मात्रम अविद्या हूँ॥

115. मैं मेहमान हूँ॥
116. मैं सूक्ष्म वतन वासी हूँ॥
117. मैं शीतला हूँ॥
118. मैं मास्टर विश्व कर्मा हूँ॥
119. मैं विष्णु चतर्भुज हूँ॥
120. मैं प्रकृति पति हूँ॥
121. मैं अजर अमर अविनाशी हूँ॥
122. मैं बाप की छत्रछाया में रहने वाली आत्मा हूँ॥
123. मैं परमात्म प्यार की पात्र आत्मा हूँ॥
124. मैं उदारमूर्त आत्मा हूँ॥
125. मैं ज्ञान गंगा हूँ॥
126. मैं कमल आसन धारी ब्राह्मण आत्मा हूँ॥
127. मैं विश्व रचता बाप की संतान मास्टर विश्व रचता हूँ॥
128. मैं धनवान आत्मा हूँ॥
129. मैं निर्भय निरवैर हूँ॥
130. मैं परमात्म दुआओ में पलने वाली आत्मा हूँ॥
131. मैं निराकारी, निर्विकारी , निरहंकारी आत्मा हूँ॥
132. मैं feeling proof आत्मा हूँ॥
133. मैं असुर संहारिणी हूँ॥
134. मैं विक्रमाजीत हूँ॥
135. मैं तेजस्वी आत्मा हूँ॥